

ललिता अष्टोत्तर शतनामावलि

ॐ श्री मात्रे नमः
ॐ देवकार्य समुद्यतायै नमः
ॐ देवर्षि गण संघट स्तूयमानात्म
वैभवायै नमः
ॐ भक्त सौभाग्य दायिन्यै नमः
ॐ भक्ति प्रियायै नमः
ॐ भयापहायै नमः
ॐ राग मथन्यै नमः
ॐ मद् नाशिन्यै नमः
ॐ मोह नाशिन्यै नमः
ॐ ममताहन्त्र्यै नमः ॥ 10 ॥

ॐ पाप नाशिन्यै नमः
ॐ क्रोध शमन्यायै नमः
ॐ संशयाघ्नयै नमः
ॐ भव नाशिन्यै नमः
ॐ मृत्यु मथन्यै नमः
ॐ दुर्गायै नमः
ॐ दुष्म हन्त्र्यै नमः
ॐ सुभप्रदायै नमः
ॐ दुष्ट दूरायै नमः ॥ 20 ॥

ॐ दुराचार शमन्यै नमः
ॐ दोष वर्जितायै नमः

ॐ सर्वज्ञायै नमः
ॐ समानाधिक वर्जितायै नमः
ॐ सर्व मन्त्र स्वऋषिण्यै नमः
ॐ सर्व यन्त्रात्मिकायै नमः
ॐ सर्व तन्त्र रूपायै नमः
ॐ महा लक्ष्म्यै नमः
ॐ महा पातक नाशिन्यै नमः
ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः ॥ 30 ॥

ॐ यराचर षगन्नाथायै नमः
ॐ पार्वत्यै नमः
ॐ सृष्टिकर्त्र्यै नमः
ॐ गोपत्र्यै नमः
ॐ संहारिण्यै नमः
ॐ तिरोधानकार्यै नमः
ॐ अनुग्रहदायै नमः
ॐ आब्रह्मकीट जन्यै नमः
ॐ वार्णाश्रम विधायिन्यै नमः
ॐ निजज्ञरूप निगमायै नमः ॥ 40 ॥

ॐ पुण्यापुण्य इलप्रदायै नमः
ॐ राक्षसघ्न्यै नमः
ॐ करुणारस सागरायै नमः
ॐ वेद वेद्यायै नमः
ॐ सदाचार प्रवर्तिकायै नमः

ॐ सध प्रसादिन्यै नमः
ॐ शिवन्कर्यै नमः
ॐ शिष्टेष्टायै नमः
ॐ गायत्र्यै नमः ॥ 50 ॥

ॐ निःसीम महिम्ने नमः
ॐ समस्त भक्त सुभदायै नमः
ॐ पुण्य लभ्यायै नमः
ॐ बन्ध मोचिन्यायै नमः
ॐ सर्व व्याधि प्रशमनायै नमः
ॐ सर्व मृत्यु निवारिण्यै नमः
ॐ क्लिक्लमष नाशिन्यै नमः
ॐ नित्य तृप्तायै नमः
ॐ मैत्र्यादि वासनालभ्यायै नमः
ॐ हृद्यस्थायै नमः ॥ 60 ॥

ॐ दैत्य हन्त्रायै नमः
ॐ गुरुमूर्त्यै नमः
ॐ गोमात्रे नमः
ॐ कैवल्यपद दायिन्यै नमः
ॐ त्रिजगद वन्द्यायै नमः
ॐ वागाधिवर्यै नमः
ॐ ज्ञानदायै नमः
ॐ सर्ववेदान्त संवेद्यायै नमः
ॐ योगदायै नमः
ॐ निर्द्वैतायै नमः ॥ 70 ॥

ॐ द्वैत वर्जितायै नमः
ॐ अन्नदायै नमः
ॐ वसुदायै नमः
ॐ भाषाऽपायै नमः
ॐ सुभाराध्यायै नमः
ॐ राजराजेश्वर्यै नमः
ॐ साम्राज्य दायिन्यै नमः
ॐ सर्वार्थ दात्र्यै नमः
ॐ सच्चिदानन्द ऋषिण्यै नमः
ॐ सरस्वत्यै नमः ॥ 80 ॥

ॐ दक्षिणामूर्ति ऋषिण्यै नमः
ॐ सनकादि समाराध्यायै नमः
ॐ नाम पारायण पृथायै नमः
ॐ मिथ्या जगद आधिष्ठानायै नमः
ॐ स्वर्ग अपवर्गदायै नमः
ॐ परमन्त्र विभेदिन्यै नमः
ॐ सर्वान्तर यामिन्यै नमः
ॐ जन्म मृत्यु जर तप्त जन
विश्रान्ति दायिन्यै नमः
ॐ सर्वोपनिषद उद्घुष्टायै नमः
ॐ लीलाविग्रह धारिण्यै नमः ॥ 90 ॥

ॐ अजायै नमः
ॐ क्षय विनिर्मुक्तायै नमः
ॐ क्षिप्र प्रसादिन्यै नमः

ॐ संसारपन्क निर्मग्न समुद्धरण
पण्डितायै नमः
ॐ धनधान्य विवर्धिन्यै नमः
ॐ तत्त्वं अर्थ स्वऱपिण्यै नमः
ॐ सर्वापत विनिवारिण्यै नमः
ॐ स्वभाव मधुरायै नमः
ॐ सदा तुषटायै नमः
ॐ धर्म वर्धिन्यै नमः ॥ 100 ॥

ॐ सुवासिन्यै नमः
ॐ सुवासिन्यार्चन प्रीतायै नमः
ॐ वान्धितार्थ प्रदायिन्यै नमः
ॐ अद्याव ङरुण मूर्त्यै नमः
ॐ अज्ञानध्वान्त दीपिकायै नमः
ॐ अबालगोप विद्वितायै नमः
ॐ सर्व अनुलन्धय शासनायै नमः
ॐ ललिताम्बिकायै नमः ॥ 108 ॥

॥ ँति श्री ललिता अष्टोत्तर
शतनामावलि संपूर्णम ॥